तापमान
अधिकतम 43 .6 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 27 अप्रैल, 2025

11 जीवनवाहिनी गाड़ियों में रखी जाएगी दवाओं की जानकारी

12 ग्रीन बेल्ट में लगी आग, 400 से ज्यादा पेड़-पौधे जले

दिव्य नगर योजना : खर्च किए जाएंगे 100 करोड़ रुपये, शहर को चमकाएंगे

ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, पार्क, मल्टीपर्पज हॉल, स्टेडियम निर्माण का रास्ता साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर में दिव्य नगर योजना के तहत लगभग सौ करोड़ रुपये की लागत से ऑडिटोरियम एवं लाइब्रेरी, ऋषि कॉलोनी में पार्क, मल्टीपर्पज हॉल, लहराड़ा गांव में स्टेडियम के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। सभी परियोजनाओं की विभाग ने उच्च स्तरीय बैठक करके सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है और अब सभी के एस्टीमेट की मंजूरी के लिए भेजे जाएंगे।

यह जानकारी देते हुए सोनीपत नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने बताया कि चंडीगढ़ में हुई राज्य स्तरीय तकनीकी कमेटी की बैठक में ड्रेन नंबर 6 के अधूरे पड़े निर्माण को पूरा करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि ऑडिटोरियम पर 26 करोड़, पार्क पर 20 करोड़, स्टेडियम 19 करोड़, ड्रेन नंबर 6 के अधूरे पड़े निर्माण कार्य पर 9 करोड़ तथा उस पर सड़क और सौंदर्यीकरण पर 34 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ड्रेन नंबर 6 के चार टुकड़े पुल से मिलेंगे

मेयर राजीव जैन

मेयर राजीव जैन ने बताया कि ड्रेन नंबर 6 के चार टुकड़ों को पुलों से मिलाने का काम अधूरा है, जिससे यह भी पूरा होकर शहर वासियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि ड्रेन का निर्माण पूरा होने के बाद आधुनिक सड़क के रूप में विकसित की जाएगी, जिसके दोनों तरफ पेड़ पौधे लगाकर ग्रीन बेल्ट होगी, सड़क पर हलके वाहनों को ही चलने की अनुमति होगी।

पढ़ सकेंगे छात्र

राजीव जैन ने बताया कि ऑडिटोरियम हैबिटैट क्लब की खाली जमीन पर बनेगा, जिसमें 600 दर्शक बैठने की क्षमता होगी। ऑडिटोरियम में आधुनिक लाइब्रेरी भी निर्मित की जाएगी, जिसमें प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि लहराड़ा में स्टेडियम की मांग तभी से थी जब बैंयापुर गांव के तीन युवक सड़क पर प्रैक्टिस करते हुए ट्रक की चपेट में आकर मर गए थे। अब स्टेडियम में सभी सुविधाएं होंगी।

छात्रों के दो गुटों में मारपीट आठ को सस्पेंड किया

सोनीपत। ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट में एक छात्र की बुरी तरह से पिटाई की गई है। उसे निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अभिभावक ने शिकायत विश्वविद्यालय प्रबंधन को दी, जिस पर प्रबंधन ने आठ छात्रों को सस्पेंड कर दिया है। जिंदल यूनिवर्सिटी में ला के प्रथम वर्ष के छात्र ने बताया कि वह शुक्रवार देर शाम दोस्त के बुलाने पर उसके कमरे में गया था। जहां तीन और छात्र थे। कुछ देर बाद दो और छात्र आ गए। आरोप है कि छात्रों ने उससे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कान पकड़कर उठक बैठक लगवाई और पेंट उतारने को कहा। विरोध करने पर उसे पीटना शुरू कर दिया। एक छात्र ने हाथ में पहने कड़े से उस पर वार किए। जिससे उसके होंठ, गर्दन, सिर व पीठ में चोटें आई। घायल छात्र को शहर के ट्यूलिप अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां उसे उपचार दिया गया।

रैगिंग नहीं

यह रैगिंग का मामला नहीं, बल्कि छात्रों के दो समूहों के बीच मारपीट है, जिसे विश्वविद्यालय के कर्मियों ने तुरंत रोक दिया था। इसमें शामिल सभी छात्रों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। *-अंजु मोहन, प्रवक्ता, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी*

प्रार्थना घर में धर्म परिवर्तन का आरोप, कार्रवाई की मांग

सोनीपत। शिव युवा शक्ति के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री, पुलिस आयुक्त और मेयर को शिकायत भेज कर एक प्रार्थना भवन पर कार्रवाई करने की अपील की है। अध्यक्ष दीपक कुमार ने शिकायत में बताया कि जीवन विहार एक्सटेंशन स्थित एक समुदाय के प्रार्थना घर में शुक्रवार को तकरीबन 200 लोग इकट्ठा हुए थे। आरोप लगाया कि जब उनसे पूछा कि यहां इतने लोग इकट्ठा क्यों तो उन्होंने बदतमीजी की। रात को पीसीआर को फोन भी किया, पुलिस आई तो उन्होंने भी कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां पर लोगों का धर्म परिवर्तन का कार्य किया जा रहा है, जिसकी वजह से हिंदू धर्म को खतरा है। उन्होंने इस मामले में कार्रवाई की मांग उठाई।

the vedic era
PROGRESSIVE SCHOOL
Ratangarh, Sonipat
AFFILIATED TO CBSE, NEW DELHI
REQUIRES
Experienced, well-qualified, trained (B.Ed.) teachers:
• PGTs — Salary: Rs. 55,000/-
• English
• Informatics Practices
• TGTs — Salary: Rs. 46,000/-
• English
• Social Science
• Computer Science
• PTI
• ART TEACHER — Salary: Rs. 40,000/-
EMOLUMENTS NO BAR FOR EXPERIENCED AND REALLY DESERVING CANDIDATES
It is compulsory for the teachers to be fluent in speaking English
Kindly submit your Resume (with your Latest photograph and all details) at the School Reception within 3 days (on any working day between 9.00 am and 2.00 pm) or e-mail your Resume to:
thevediceraschool@gmail.com

South Point
PUBLIC SCHOOL WORLD SCHOOL
An English Medium, Co.Ed., Sr. Sec. School (Aff. to CBSE, New Delhi)
Purkhas Road, Near Sugar Mill Flyover, Sonepat Ph.: 9306018324
Murthal Chowk, MURTHAL Sonepat Ph.: 9817500207
Admissions 2025-26 OPEN
for Classes PP-I to IX & XI
DILBAG S. KHATRI Chairman & Managing Trustee
www.southpoint.net.in
Streams Offered for Classes 11th & 12th
Medical | Non-Medical | Commerce | Humanities
Admission Helpline 0130-2216800 www.southpoint.net.in
98120 20033, 9812118466

SARASWATI
Pre-Nursery to XII Sr. Sec. School
G.T. Road, Murthal Sonipat
ADMISSION OPEN
Pre Nur. to XII (For Session 2025-26)
NO ANNUAL CHARGES
• Qualified Dedicated and Inspiring Faculty
• Creating English atmosphere and providing quality education
• Predicting and child's aptitude
• Providing basic Computer knowledge
• Developing LSRW skill from early stage
• Limited strength in each class in order to supervise each child
• Play way method of teaching
• Personal and intensive care on slow learners
• Well maintained Computer lab
• Hockey/Wrestling/Kabbadi and Football Academy
• Transport facility available
• Abacus Classes. Dance Classes
• 100% Result in 10th & 12th standard
DAY CARE FACILITIES FOR KIDS
MID-DAY MEAL FOR KIDS
LIMITED SEATS COME SOON
98135-17031, 96718-10302 Saraswatimurthal2015@gmail.com

युवक के अपहरण की आशंका, केस

गन्नौर। खेड़ी रोड निवासी एक 22 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक के पिता ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में खेड़ी रोड निवासी संजय ने बताया कि उसका 22 वर्षीय बेटा अभिषेक दिल्ली में नौकरी करता है। शनिवार को अभिषेक ड्यूटी पर गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। स्वजन ने बताया कि दो अज्ञात व्यक्ति घर आकर धमकी दे रहे हैं कि अभिषेक उनसे पैसे ले रहा था। संजय ने पुलिस से बेटे को ढूंढने व अज्ञात के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धूल भरी हवाएं, लू चलने की आशंका

गोहाना। प्रदेश में मौसम खुश्क व गर्म रहने की संभावना है। 25 व 26 अप्रैल को उत्तर पश्चिमी व पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना से विशेषतर दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग गोहाना के एसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम को लेकर सूचना जारी है। मौसम विभाग के अनुसार 27 अप्रैल को हवा में बदलाव से आंशिक बादल तथा 28 व 29 अप्रैल को फिर से पश्चिमी हवाएं चलने से मौसम गर्म रहने की संभावना है। तापमान में बढ़ोतरी की संभावना से इस दौरान बीच-बीच में गर्म धूल भरी हवाएं अर्थात लू चलने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से मौसम में बदलाव संभावित है।

बीज विक्रेता करेंगे गायत्री मंत्र जाप

सोनीपत। हरियाणा सीड्स, पेस्टीसाइड एंड फर्टिलाइजर एसोसिएशन ने कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए कायराना आतंकी हमले का विरोध करते हुए भारत सरकार से कठोर निर्णय लेने की अपील की है। एसोसिएशन के अनुसार सोमवार दिनांक 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे पूरे हरियाणा से ब्लॉक और जिला स्तर पर खाद बीज व कीटनाशक दवाओं के विक्रेता इकठ्ठे होकर मृतकों को श्रद्धांजलि देंगें और 11.15 तक उनकी आत्मा की शांति के लिए गायत्री मंत्र का जाप करेंगे।

BLISS WELFARE SOCIETY
के सौजन्य से
सौभाग्यशाली जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह।
दिनाक 22.06.2025
ऐसे जरूरतमंद परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ है, वो अपनी स्वेच्छा से अपनी बेटी का रिश्ता तय करके दिए गए नंबर पर जल्द संपर्क कीजिए।
BLISS WELFARE SOCIETY
Agrasen Chowk, Near Bajaj Tiles, Murthal Road, Sonipat
Joney Tyagi (प्रबंधक) Mob.: 9050990408, 9050990407
इसके अलावा संस्था द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं।
1 जुलाई से बुजुर्गों के लिए हरिद्वार, खाटूश्याम, मथुरा, चुलकाना धाम के लिए फ्री बस सुविधा
सरकारी जॉब के लिए कौचिंग फ्री दी जाती है।
छात्र-छात्राओं के लिए फ्री लाईब्रेरी की सुविधा
Agrasen Chowk, Near Bajaj Tiles, Murthal Road Sonipat
Joney Tyagi (Manager) Mob.: 9050990408, 9050990407

PRAYAAS INTERNATIONAL SCHOOL
(A Sr. Sec. Co-Educational School, Affiliated to C.B.S.E.)
INTERNATIONAL SCHOOL AWARD WINNER
Empowering THE LEADERS OF TOMORROW
Unique Features of The School
• Empowering Young Minds with Excellence
• Excellent Academic Legacy
• Well-Designed Labs for Experiential Learning
• Ultra-Modern Pedagogies: Aligning with NEP guidelines to meet the demands of the future
• Focus on Holistic Development
• Special Educator for Children with Special Needs
SCAN FOR MORE INFORMATION
ADMISSION OPEN 2025-26
PRE-NURSERY TO GRADE XII
APPLY NOW
11th 12th Stream
ARTS SCIENCE COMMERCE
Call us:
8115647000, 7645002000, 9896025555, 9996000343
Prayaas Marg, Behind Chokhi Dhani, Ganaur (Sonepat)
prayaasinternationalschool.com

सोने में तेजी से गोल्ड ईटीएफ का चला जादू, चौंका रहा रिटर्न

● रिटर्न देने में एसआईपी को भी पीछे छोड़ा ● सोने के ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को भी पछाड़ा ● एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में 54.35% का रिटर्न मिला ● गोल्ड ईटीएफ में मार्च में मुनाफा वसूली देखी गई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में आई तेजी ने कई फंड में भी तेजी ला दी है। पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को काफी पीछे छोड़ दिया है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने में और तेजी बनी रह सकती है। वहीं, कुछ जानकारों के मुताबिक इसकी कीमत में कुछ गिरावट की भी उम्मीद है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो अच्छे रिटर्न के लिए आपको अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। सोने में तेजी से इससे जुड़े फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमतें इस समय एक लाख के आसपास चल रही है। मंगलवार को तो 1800 रुपये का उछाल आया और 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निवेशकों को चमका दिया है। यानी निवेशकों को भरपूर रिटर्न मिल रहा है। ऐसे में निवेशक अब सोने की तरफ अग्रेसित हो रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ एक ऐसी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड है, जिसमें सोने की कीमत को ट्रैक करने के लिए निवेश किया जाता है। यह एक ऐसी संपत्ति है जो सोने की कीमत के साथ बढ़लती है, जैसे कि अगर सोने की कीमत बढ़ती है, तो गोल्ड ईटीएफ की कीमत भी बढ़ेगी। यह भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उसे शारीरिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं होती है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

सोने में निवेश करने के ये भी ऑप्शन

- **सोने के सिक्के या बार :** सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- **सोने के जेवर:** सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स :** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स के फायदे:** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **सोने के शेयर:** सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **सोने के शेयरों के फायदे:** सोने के शेयरों में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म:** जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाजार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

यह मिलता रिटर्न

अगर किसी ने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में हर महीने 10,000 रुपये का एसआईपी किया होता, तो उसे एक साल में 54.35% का रिटर्न मिलता। वहीं, एसबीआई निफ्टी 50 ईटीएफ में इतना ही निवेश करने पर सिर्फ 2.93% रिटर्न मिलता। अन्य 16 गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में 48.32% से 54.85% तक का रिटर्न दिया है। एक्सिस गोल्ड ईटीएफ ने 54.85% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 48.32% का रिटर्न दिया है।

बाकी ईटीएफ का क्या हाल

15 निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% से 3.03% तक का रिटर्न दिया। इनमें क्वांटम निफ्टी 50 ईटीएफ एफओएफ ने 3.03% और इनवेस्को इंडिया निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% का रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि सोने में उतार-चढ़ाव अभी जारी रहेगा। जोखिम उठाने वाले निवेशक इस तेजी का फायदा उठा सकते हैं, जबकि सावधानी बरतने वाले निवेशक गिरावट का इंतजार कर सकते हैं।

आगे मजबूती या गिरावट

एक अन्य फर्म का कहना है कि कि सोने की कीमतें अगले कुछ महीनों में मजबूत बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना, ब्याज दरों में कमी की उम्मीद, डॉलर का कमजोर होना, महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता (टैरिफ से जुड़े जोखिम सहित) और ईटीएफ में निवेश बढ़ने से सोने की कीमतों को सहारा मिल रहा है। फंड हाउस ने आगे कहा, हालांकि थोड़े समय के लिए कीमतों में गिरावट आ सकती है, लेकिन लंबे समय के लिए सोने की कीमतें मजबूत रहने के संकेत है। एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में गोल्ड ईटीएफ से 77 करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि फरवरी में 1,979 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 14,852 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 183% अधिक है। मार्च में गोल्ड ईटीएफ में उलटफेर देखने को मिला, जिसमे फरवरी के 1,979.84 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले 77.21 करोड़ रुपये की निकासी हुई। ये मुनाफा वसूली के लिए हुआ।

मुख्य विशेषताएं

1. **सोने की कीमत के साथ जुड़ा :** गोल्ड ईटीएफ की कीमत सोने की कीमत के साथ जुड़ी होती है, इसलिए निवेशकों को सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव का लाभ मिल सकता है।
2. **एक्सचेंज पर ट्रेडिंग :** गोल्ड ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकता है, जैसे कि शेयर।
3. **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से निवेशकों को लिक्विडिटी का लाभ मिलता है, क्योंकि वे अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
4. **पारदर्शिता :** गोल्ड ईटीएफ की कीमतें और होल्डिंग्स पारदर्शी होती हैं, जिससे निवेशकों को अपने निवेश के बारे में जानकारी मिलती है।

ऐसे करता है काम

- **भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व :** गोल्ड ईटीएफ एक यूनिट के रूप में भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करते हैं, आमतौर पर एक ग्राम सोने के बराबर।
- **स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार :** इन फंड्स को शेयर बाजार में खरीदा और बेचा जा सकता है, जैसे कि अन्य स्टॉक।
- **निवेश का सरल तरीका :** यह सोने में निवेश करने का एक आसान और सुलभ तरीका है, क्योंकि भौतिक सोना खरीदने, रखने और सुरक्षित करने की तुलना में यह सरल है।
- **कम अस्थिरता :** गोल्ड ईटीएफ, इक्विटी की तुलना में कम अस्थिर होते हैं।
- **सुरक्षा :** भौतिक सोने के रूप में, यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ एक बचाव के रूप में काम कर सकता है।
- **निवेश :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए, आपको एक डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलना होगा। इसके बाद आप अपनी निवेश की यात्रा शुरू कर सकते हैं और समय आने पर बढ़िया मुनाफा भी कमा सकते हैं। निवेश का लंबा लक्ष्य बनाकर चलें।

कुछ टिप्स अपनाएं और घटाएं होम लोन की ईएमआई का बोझ

सुझाव
बिजनेस डेस्क

कुछ आसान से तरीके आपकी परेशानी को कर सकते हैं कम
●
लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं
●
मकान खरीदने के लिए अधिक से अधिक डाउन पेमेंट करें
●
अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर कम ब्याज दर पर लोन मिलता है

हर किसी का मन होता है कि अपने सपनों का घर खरीदे, लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में लोग होम लोन का सहारा लेते हैं और होम लोन की ईएमआई हर महीने भरना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। होम लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यक्तियों को घर खरीदने या बनाने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण आमतौर पर बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है और इसकी अदायगी कई वर्षों में की जाती है। अगर आप होम लोने के बोझ को कम करना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स को अपनाकर राहत पा सकते हैं। हालांकि होम लोन लेने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने वित्तीय स्थिति और ऋण की शर्तों को ध्यान से समझें और अपने निर्णय के बारे में सुनिश्चित हों।

डाउन पेमेंट का रखें ध्यान

जब आप घर खरीदते हैं, तो जितना अधिक पैसा शुरू में डाउन पेमेंट के लिए देंगे, उतना ही कम लोन की ईएमआई देना पड़ेगा। कम लोन ईएमआई का मतलब आपको कम ब्याज भी देना होगा। इसलिए, कोशिश करें कि शुरुआत में ही ज्यादा से ज्यादा रकम जमा करें।

लोन की अवधि बढ़ाएं

अगर आपकी मंथली सैलरी कम है, तो आप लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं। हालांकि, इससे कुल ब्याज बढ़ सकता है, लेकिन मासिक किस्तें कम हो जाएंगी, जिससे आपकी जेब पर कम दबाव पड़ेगा।

समय-समय पर प्री-पेमेंट करें

अगर आपको बोनस, टैक्स रिफंड या कोई और अतिरिक्त आय मिलती है, तो उसका यूज करके लोन का कुछ हिस्सा पहले चुकाने में करें। इससे आपका मूलधन कम होगा और ब्याज में भी बचत होगी।

बेहतर क्रेडिट स्कोर बनाएं

अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर बैंक आपको कम ब्याज दर पर लोन देते हैं। इसके लिए समय पर बिल और लोन की किश्तें चुकाएं और साथ ही, क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और कर्ज के जाल से खुद को बचाएं।

बैंक बदलने का भी है ऑप्शन

अगर किसी और बैंक में कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, तो आप अपने लोन को वहां ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सभी शर्तों और चार्जेस की जानकारी जरूर लें।

फ्लोटिंग रेट लोन चुनें

फ्लोटिंग रेट लोन में ब्याज दर बाजार के अनुसार बदलती रहती है। अगर बाजार में ब्याज दरें कम होती हैं, तो आपकी ईएमआई भी कम हो सकती है। हालांकि, इसमें जोखिम भी होता है, क्योंकि दरें बढ़ भी सकती हैं।

ईएमआई अमाउंट बढ़ाएं

अगर आपकी आय बढ़ी है, तो आप अपनी ईएमआई बढ़ाकर लोन जल्दी चुका सकते हैं। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और आप जल्दी कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करें

अगर आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो कुछ सालों में एक अच्छी राशि जमा हो सकती है। इस राशि का उपयोग लोन का प्री-पेमेंट करने में किया जा सकता है, जिससे लोन की अवधि और ब्याज दोनों कम होंगे।

लोन की अवधि कम करें

अगर आप थोड़ी अधिक ईएमआई दे सकते हैं, तो लोन की अवधि कम रखें। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और जल्दी ही कर्ज खत्म हो जाएगा।

होम लोन की विशेषताएं

- लंबी अवधि : होम लोन की अवधि आमतौर पर 10 से 30 वर्षों तक होती है, जिससे आप अपने ऋण को धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।
- सुरक्षा : होम लोन के लिए घर ही सुरक्षा के रूप में कार्य करता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

होम लोन के कुछ फायदे

- घर खरीदने में मदद : होम लोन आपको घर खरीदने में मदद कर सकता है जो आपके लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है।
- लंबी अवधि : होम लोन की लंबी अवधि आपको अपने ऋण को धीरे-धीरे चुकाने में मदद कर सकती है।
- कम ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।

होम लोन के कुछ नुकसान

- ब्याज का भुगतान : होम लोन पर आपको ब्याज का भुगतान करना होता है, जो आपके ऋण की कुल राशि को बढ़ा सकता है।
- जुर्माना : यदि आप अपने ऋण का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।
- घर की जब्ती : यदि आप अपने ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर किया जाता है, इसमें ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है, ब्याज निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लॉक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है। एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को आटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दर

स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है। यह निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग अलग ब्याज दरें तय होती हैं।

बैंकों में अलग अलग ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआई	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%
पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6.10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
डाकघर	6.90%-7.50%
आरबीएल	4.75%-7.00%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है।

■

अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है।

पैसे निकालने का क्या है नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले आपके स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फर्स्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं। इसका मतलब है कि अगर आपके बैंक बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड का उपयोग करके स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आपको आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। स्वीप-इन सुविधा के माध्यम से एफडी में निवेश की गई अतिरिक्त राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है। साथ ही, बैंक एफडी से स्वेप्ट-इन पैसा निकालने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा।

दंपति के लिए खास स्कीम, हर साल एक लाख से ज्यादा होगी इनकम

पोस्ट ऑफिस एमआईएस में वन टाइम करना होगा डिपॉजिट ● सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट के जरिए 15 लाख तक जमा कर सकते है जमा

रिटर्न
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में अकाउंट खोलने के लिए कम से कम 1000 रुपये निवेश जरूरी, जिसके बाद 1000 रुपये के मल्टीपल में जमा हो सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट में अधिकतम 9 लाख रुपये और ज्वॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में हर होल्डर का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इसमें बेनीफिट भी अच्छा मिलता है। यह स्कीम आपके भविष्य के लिए बेहतर हो सकती है।

अगर आप शादीशुदा हैं और रेगुलर इनकम के लिए किसी अच्छी स्कीम की तलाश में हैं तो ध्यान दें। आप सरकारी स्कीम की तरह एक ज्वॉइंट अकाउंट खुलवाकर कर साल 1 लाख 10 हजार रुपये (1.10 लाख रुपये) की इनकम कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) के बारे में। आकर्षक ब्याज दरों के साथ, पोस्ट ऑफिस का यह मंथली इनकम अकाउंट निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है। इस स्कीम में वन टाइम डिपॉजिट करने पर रेगुलर इनकम का लाभ मिलता रहता है।

ब्याज दर 7.4% सालाना

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकांट पर मौजूदा ब्याज दर 7.4 फीसदी सालाना है। इसमें अब सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट अकाउंट के जरिए अधिकतम 15 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम अकाउंट सरकार द्वारा समर्थित स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जहां गारंटीड रिटर्न मिलता है। पोस्ट ऑफिस की योजना है तो इसमें 100 फीसदी सुरक्षा की गारंटी है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ ही स्पाउस के साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की भी सुविधा है।

हर माह कितनी आएगी रकम

ज्वाइंट अकाउंट में

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- ज्वॉइंट अकाउंट से अधिकतम निवेशः 15 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 1,11,000 रुपये
- मंथली ब्याजः 9250 रुपये

अगर सिंगल अकाउंट हो तो

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- सिंगल अकाउंट से अधिकतम निवेशः 9 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 66,600 रुपये
- मंथली ब्याजः 5550 रुपये

मैच्योरिटी के बाद एक्सटेंड कर सकेंगे

इस स्माल सेविंग्स स्कीम पर 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें जमा पैसों पर जो भी सालाना ब्याज होता है, उसे 12 हिस्से में बांट दिया जाता है, और वह हर महीने आपके अकाउंट में आएगा। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में रहेगी और मूलधन के साथ इस धन को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। इस स्कीम की मैच्योरिटी 5 साल है, लेकिन 5 साल बाद नए ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

क्या है स्कीम के लिए योग्यता

- बालिग के नाम से सिंगल अकाउंट
- ज्वॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 एडल्ट मिलकर) (ज्वॉइंट A या ज्वॉइंट B)
- माइनर के नाम पर उसका गार्जियन अकाउंट खोल सकता है
- 10 साल का माइनर है तो उसके नाम से

क्या है पीओएमआइएस

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी पीओएमआइएस में आपको एकमुश्त निवेश करना होता है। उसी पर आपको ब्याज दर का फायदा मिलता है। इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपको 5 सालों तक ब्याज का लाभ मिलता रहता है। मंथली इनकम स्कीम डाकघर की एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम में सिंगल और ज्वाइंट दोनों तरह से अपना खाता खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने पर आपको वर्तमान में 7.4 प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है।

खबर संक्षेप

चार के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र के गांव गुहणा में सोलर स्ट्रीट लाइट के कथित घोटाले को लेकर अदालत के आदेश पर पुलिस ने पूर्व सरपंच सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि अधिकारियो ने मिली भगत के चलते 16 लाख 38 हजार का घोटाला है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

अधिवक्ता का मोबाइल छीन ले गए झपटमार

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र के रोहतक फ्लाईओवर के पास बाइक सवार झपटमार एक अधिवक्ता का मोबाइल फोन छीन ले गए। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में पीड़ित के बयान दर्ज कर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वेस्ट राम नगर निवासी रविंद्र ने बताया कि वह रोहतक फ्लाईओवर की तरफ गया था।

हत्या करने के चार आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट प्रथम ने घर के अंदर दोस्तों संग हंसी मजाक कर रहे युवक की गोली मारकर हत्या करने के चार आरोपितों को गिरफ्तार करने की सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपित अनिल उर्फ दिवा, समुंद्र उर्फ कालिया, संदीप व सुनील निवासी गांव रोहणा का है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। कोर्ट ने आरोपितो को चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

गुरुदत्त विद्यार्थी को अर्पित की श्रद्धांजलि

गोहाना। सेक्टर 7 गोहाना स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में शनिवार को गुरुदत्त विद्यार्थी की 161वीं जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने गुरुदत्त विद्यार्थी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि गुरुदत्त विद्यार्थी अद्भुत प्रतिभा, अपूर्व विद्वत्ता और एक गंभीर व्यक्तित्व कला के धनी थे।

रंजिश के चलते युवक पर हमला करने का आरोप

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र के मुरथल रोड पर एक कैफे पर युवक को घेर कर उस पर लोहे की राड और लाठी-डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। घायल ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।जीवन विहार निवासी लक्ष्य नैन ने बताया कि वर्ष 2022 में उसका साहिल नाम के युवक से झगड़ा हुआ था।

कंपनी के कार्यालय से लैपटॉप चोरी, केस दर्ज

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में कंपनी के कार्यालय से लैपटॉप चोरी करने के आरोप का मामला सामने आया है। कंपनी के कर्मचारी ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोर का पता लगाने के लिए आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके।

स्मैक का नशा करवा चेन नकदी और मोबाइल चुराए

गोहाना। पानीपत में गांव मतलौड़ा के रोहित को उसके दोस्त विक्की व उसके साथी ने गोहाना के गांव मदीना के पास स्मैक का नशा करवाकर उसकी चेन, नकदी व मोबाइल चोरी कर ली। वह गोहाना में मोर चौक के पास आया था, जहां पर विक्की व उसका जानकार मिले। वे उसे काम दिलाने के बहाने से अपने साथ गांव मदीना के पास ले गए। वहां पर उसे स्मैक से नशा करवाया गया।

रंजिशन खांडा के युवक को पीटा

खरखौदा। गांव खांडा निवासी सन्नी ने थाना खरखौदा में दी गई शिकायत में बताया है कि वह रोहतक बाईपास पर रोड़ी क्रेशर के स्टॉक पर जेसीबी चलाने का काम करता है। उसका गांव के ही मोहित से पहले झगड़ा हो चुका था। पंचायत ने मामला सुलझा दिया था। इसके बावजूद मोहित उससे रंजिश रखता था।

विभाग की टीम ने गाड़ियों का निरीक्षण कर बनाई सूची

जीवनवाहिनी गाड़ियों में दवा व यंत्रों की रखी जाएगी जानकारी

दवाइयों की अंतिम तिथि व यंत्रों के रखरखाव का ध्यान रखने वाली टीम ने गाड़ियों की जांच की

लापरवाही मिलने पर होगी विभागीय कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सड़कों पर दौड़कर आपातकालीन स्थिति सहित वीवीआईपी व वीआईपी कार्यक्रमों में भेजी जाने वाली जीवनवाहिनी के अंदर मिलने वाली सुविधाओं का एक-एक ब्यौरा गाड़ी में तैनात ईएमटी व चालक को रखना होगा। शनिवार को जिला स्तर पर गठित टीम ने एंबुलेंस गाड़ियों में रखी दवाइयों व यंत्रों को लेकर गाड़ियों की जांच की। निरीक्षण के दौरान गाड़ी पर तैनात कर्मचारियों को एक-एक दवाई के साथ पट्टी व यंत्रों की जानकारी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही गाड़ियों में रखी दवाइयां की अंतिम तिथि तक की जानकारी का ब्यौरा रखने की बात कही। लापरवाही मिलने पर गाड़ी में तैनात कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। बता दें कि जिले में स्वास्थ्य विभाग के पास मौजूदा समय में 29 जीवन वाहिनी (एम्बुलेंस) शामिल है। जो लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाने का कार्य करती है। ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को जल्द से जल्द उपचार उपलब्ध हो सके। उक्त गाड़ियों में रखी जाने वाले सामान व यंत्रों के रखरखाव को बेहतर रखने के लिए जिला स्तर पर उच्च अधिकारियों की तरफ से टीम का गठन किया हुआ है। गठित टीम ने डॉ. मंजीत राठी व डा. प्रवीण के नेतृत्व में शनिवार को गाड़ियों को चेक किया। गाड़ियों के अंदर रखी दवाइयां व यंत्रों को जरूरत के हिसाब से जानकारी रखते हुए उनके स्थान पर रखा गया। ताकि जरूरत पड़ने पर उक्त दवाई व यंत्र का इस्तेमाल किया जा सके।

एंबुलेंस में दवाइयां व यंत्रों को चेक करते फ्लीट मैनेजर व नोडल अधिकारी।

टीम का गठन किया

गत दिनों पहले विभाग के डिप्टी ने दौरा किया था। उसी दौरान कई प्रकार की खामियां गाड़ियों में मिली थी। जिला स्तर पर गाड़ियों के रखरखाव पर ध्यान रखने के लिए टीम का गठन किया हुआ है। टीम ने गाड़ियों के अंदर दवाइयों व यंत्रों की जांच की है। ताकि जरूरत पड़ने पर किसी प्रकार की खामी का सामना न करना पड़े। साथ ही गाड़ी पर तैनात ईएमटी व चालक को हर दवा व यंत्र की जानकारी रखने की जगह के बारे में पता होना चाहिए। लापरवाही मिलने पर विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
डा. सुभाष, जिला नोडल अधिकारी।

परिसर में खड़ी है गाड़ी

विभाग की तरफ से मिली एंबुलेंस गाड़ी कई महीनों से अस्पताल परिसर में धूल फांक रही है। जानकारी मिली है कि उक्त गाड़ी के सभी कागजात पूरे है, लेकिन तेल डलवाने के लिए पेट्रो कार्ड की जरूरत होती है। इस संबंध में जिला स्तर से उच्च अधिकारियों को कागजात भेजे जा चुके है। लेट-लतीफी के चलते पेट्रो कार्ड की अनुमति न मिलने के चलते गाड़ी की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

छात्रा पिंकी रही मिस फेयरवेल

- कन्या महाविद्यालय खरखौदा में विदाई पार्टी का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

कन्या महाविद्यालय खरखौदा में कला संकाय में डॉ. सारिका और डॉ. प्रमिला के निर्देशन में विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रमिला द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। छात्राओं ने प्राचार्या और सभी स्टाफ सदस्यों के साथ अपनी सीनियर छात्राओं को तिलक लगाकर विदाई समारोह में आमंत्रित किया। प्राचार्या डॉ. प्रमिला ने अपने संबोधन में कहा कि सबसे पहले वह पार्टी के आयोजकों और छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं देती हैं और साथ ही कामना करती हैं कि यहां से जाने के बाद भी छात्राएं अपने जीवन में अनुशासन और कड़ी मेहनत को अपनाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करें, यही उनकी शुभकामनाएं हैं। इस विदाई समारोह में छात्राओं ने गीत संगीत नृत्य आदि से संबंधित रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। बी ए तृतीय वर्ष की छात्राओं ने रैंप वॉक, नृत्य, गायन और प्रश्नोत्तर आदि राउन्ड रखे जिनमें छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्थान प्राप्त किए।

खरखौदा। प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित करते प्राचार्या। *फोटो :हरिभूमि*

खरखौदा प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

खरखौदा। द स्टैनफोर्ड स्कूल, थाना खुर्द में हिन्दी हस्तलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन उत्सव दहिया ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रति प्रेम और गर्व की भावना विकसित करने का संदेश दिया। विद्यालय की डायरेक्टर पूजा दहिया ने भी बच्चों को हिन्दी भाषा के महत्व के विषय में प्रेरणादायक विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि हिन्दी वह सेतु है, जो विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच एकता स्थापित करती है। यदि हमें अपने जड़ों से जुड़े रहना है, तो हिन्दी को सम्मान और अपनापन देना अनिवार्य है। प्रधानाचार्य संजीत ने प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

ध्रुवस्वामिनी जयशंकर की अद्वितीय रचना : कीर्ति खत्री

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय कालेज में प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग द्वारा जयशंकर प्रसाद रचित ऐतिहासिक नाटक ध्रुवस्वामिनी ऑनलाइन स्क्रीन के माध्यम से संचालित किया । आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज दिल्ली की नाटक मंडली द्वारा अभिनीत नाटक को कालेज के छात्र-छात्राओं ने आनंदपूर्वक देखा। जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित यह एक ऐतिहासिक नाटक है जिसमें गुप्त वंश के सम्राट चंद्रगुप्त, रामगुप्त तथा नायिका ध्रुवस्वामिनी के द्वारा उस समय की भारत की राजनीतिक परिस्थितियों को दर्शाया गया है। गतिविधि का संचालन हिंदी विभाग प्रभारी डॉक्टर कीर्ति खत्री द्वारा किया । बताया कि हिंदी साहित्य में नाटक के क्षेत्र में जयशंकर प्रसाद की यह अद्वितीय रचना है। छात्र-छात्राओं में देशभक्ति की भावना, भारत के अतीत से उन्हें परिचित कराने तथा नैतिक मूल्यों का संचार करने के लिए साहित्य से इस तरह की अभिनीत रचना को अवश्य दिखाई जाना चाहिए।

मजदूरी का भुगतान करने की मांग

गोहाना। मनरेगा श्रमिकों को समय पर मजदूरी न देने पर हरियाणा मनरेगा मेट मजदूर संघ ने रोष व्यक्त किया है। संघ के प्रतिनिधियों ने गोहाना में एकत्रित होकर रोष व्यक्त करके मनरेगा श्रमिकों को मजदूरी देने की मांग की। हरियाणा मनरेगा मेट मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष नवीन कुमार रंगा ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा श्रमिकों को समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। ऐसे में श्रमिक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जसविंद्र पुंडरी और राजेंद्र ने कहा कि अधिकतर मनरेगा श्रमिक ऐसे हैं जिनके घर का गुजारा मजदूरी से चलता है। अगर ऐसे लोगों को समय पर मजदूरी ही नहीं मिलेगी तो उनके घर चूल्हा कैसे चलेगा। संघ के प्रवक्ता सतपाल टॉक, सचिव रविन्द्र, कृष्ण वर्मा और सुनीता जाखोली ने मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी का भुगतान करने की मांग की।

गोहाना। रोष व्यक्त करते हरियाणा मनरेगा मेट मजदूर संघ के प्रतिनिधि।

गोहाना। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थी प्रदर्शन करते हुए।

प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

गोहाना। अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित गीता विद्या मंदिर, गोहाना में संतुलित आहार प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता 21 से 26 अप्रैल तक आयोजित हुई। प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को संतुलित आहार से अवगत करवाना और स्वास्थ्य के लिए उसका महत्व समझाना था। यह प्रतियोगिता में प्रतिदिन 5 बिन्दुओं के तहत मूल्यांकन किया गया, जिसमें प्लास्टिक का लंच न होना, साफ लंच बॉक्स, पानी की बोतल, आहार तालिका के अनुसार भोजन आदि का ध्यान रखना था। विद्यालय के प्राचार्य अश्वनी कुमार के अनुसार अब आगामी 15 दिन की भोजन तालिका विद्यार्थियों को जाएगी, जिसका सभी विद्याथी विधिवत पालन करेंगे। छात्र शाखा विभाग प्रमुख दीपक कपूर व छात्रा शाखा प्रमुख मन्नु दूहन विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया

गन्नौर। शनिवार को गन्नौर की शाही जामा मस्जिद में इमाम मोहम्मद इमरान व चांद मोहम्मद के नेतृत्व में पहलगांव में उग्रवादियों द्वारा निर्दोष नागरिकों की हत्या के विरोध में शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में समाज के लोगों ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर पाकिस्तान सरकार की कड़ी निंदा की। इमाम मोहम्मद इमरान ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद मानवता के खिलाफ अपराध है। चांद मोहम्मद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आतंकवादियों और पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर फजलुद्दीन, लियाकत, सलामु, नफिया और करमू आदि ने सभा में आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया गया।

गन्नौर। निर्दोष नागरिकों की हत्या के विरोध में जामा मस्जिद में श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित समाज के लोग। *फोटो :हरिभूमि*

खरखौदा। प्रदीप को सम्मान चिह्न भेंट करते आश्रम समिति।

श्रद्धालुओं के लिए दान किया वाटर कूलर

खरखौदा। सिसाना गांव के खेतों में स्थित ढीकन वाला आश्रम में सोनीपत के जटवाड़ा गांव निवासी श्रद्धालु प्रदीप ने आश्रम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए वाटर कूलर दान किया। इस अवसर पर आश्रम के सेवादार समिति द्वारा प्रदीप को सम्मान चिन्ह भेंट किया गया और पवित्र पटका पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। प्रदीप ने अपने संबोधन में कहा कि वे कई वर्षों से श्रद्धा और भक्ति के साथ इस पवित्र स्थल से जुड़े हुए हैं। हर महीने के दूसरे शनिवार को यहां निःशुल्क डेंटल, हेल्थ एवं न्यूरो चेकअप तथा रक्तदान शिविर और भंडारा आयोजित किया जाता है, जो मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण है। इस अवसर पर सेवादार समिति के राजेश, ईश्वर, रामचन्द्र, नवीन खांडा, ईशाना और घनिष्ठ दहिया भी उपस्थित रहे और प्रदीप के सेवा कार्य की प्रशंसा की।

सोनीपत। सत्संग के दौरान मौजूद विद्यार्थीगण साथ में अन्य।

दिव्य आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन

सोनीपत। आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत के सप्तदिवसीय वार्षिकोत्सव और दिव्य आध्यात्मिक सत्संग के पांचवें दिन मुख्य वैदिक प्रवक्ता आचार्य उषर्बुध महाराज ने बताया कि भारतीय सभ्यता में नारी का स्थान सर्वोपरि है किन्तु कुछ समय पूर्व पाखंडियों ने नारी को दुर्दशा तक पहुंचा दिया। आर्य समाज के प्रवर्तक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने नारी जाति को सम्मानित किया और बताया कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है वहां देवताओं का निवास होता है। सबसे पहले उन्होंने नारी शिक्षा पर बल दिया। महिलाओं को वेद पढ़ने पढ़ानें पर बल दिया। गायत्री मन्त्र पढ़ने का अधिकार प्रदान किया।शनिवार को संस्था प्रधान अर्जुन देव दुरेजा की अध्यक्षता और आचार्य उषर्बुध महाराज के ब्रह्मत्व में आयोजित कार्यक्रम में अथर्ववेद शतकम के मन्त्रों का पाठ संस्था के पुरोहित आचार्य सतन देव सत्यम द्वारा किया गया।

अनीता- प्रवीण बने मंडल महामंत्री

- गोहाना भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र मुदगिल ने की कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शुक्रवार को भाजपा गोहाना मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र मुदगिल ने भाजपा गोहाना जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मालिक से विचार-विमर्श के पश्चात अपनी कार्यकारिणी का गठन किया। कार्यकारिणी में अनीता जिंदल और प्रवीण कपूर को महामंत्री का दायित्व सौंपा गया।

मंडल की नवगठित कार्यकारिणी में मनोज कुमार, सतीश सैनी, नरेश देवी और विजय निनाण्निया को उपाध्यक्ष, राजेंद्र खन्ना, मीनाक्षी, हरिमोहन और पवन सहरावत को सचिव, सुरेंद्र मेहता को कोषाध्यक्ष, सतबीर सिंह को मीडिया प्रभारी और अजय सैनी को आईटी प्रमुख नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए सदैव ईमानदारी एवं निष्ठा से अपना कर्तव्य निभाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. धर्मवीर नांदल, महेंद्र चिढ़ाना, प्रदीप बड़वासनी, डॉ. राममेहर राठी, संजय, सुमित कक्कड़, रमेश ओड और प्रसन्नी मलिक उपस्थित रहे।

गोहाना। नवनियुक्त पदाधिकारी अपने मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र मुदगिल व पार्टी के अन्य नेताओं के साथ। *फोटो :हरिभूमि*

रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से बातचीत करते उपायुक्त एवं अन्य अधिकारी।

समस्याओं का समाधान के निर्देश

खरखौदा/सोनीपत। जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार की रात जिला के गांव आनंदपुर झरोठ में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया किया गया। इस दौरान उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याएं सुनी और उनका मौके पर समाधान किया। इस दौरान जिला परिषद के चेयरपर्सन मोनिका दहिया भी मौजूद रही। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने ग्रामीणों का आह्वान किया कि गर्मी का मौसम का गया है और इस मौसम में पानी की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है इसलिए सभी ग्रामीण पानी का सदुपयोग करें। उपायुक्त ने बताया कि आनंदपुर झरोठ गांव में इंतकाल से संबंधित जो भी कार्य पेंडिंग था उसे पूरा कर लिया गया है।

कार्यक्रम डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विवि में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का किया अनावरण

विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही केंद्र और प्रदेश सरकार : शिक्षा मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने शनिवार को एजुकेशन सिटी राई स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विवि में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को विश्व धरोहर, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तथा हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस संकल्प में सहभागी बनें और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वविद्यालय के छात्रों में राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक ऊर्जा और समर्पण दिखता है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे पंचायती न्याय प्रणाली की निष्पक्षता से सीख लें व ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर कानूनी जागरूकता अभियान चलाएं। विशिष्ट अतिथि और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि युवा ही देश की तकदीर लिखते हैं। उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहकर विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास में सरल, सुलभ और शीघ्र न्याय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बताया कि अतीत में पंचायत प्रणाली ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री ने विभिन्न सत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्रों ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा पंचायती न्याय प्रणाली पर आधारित एक नाटक भी प्रस्तुत किया। विवि के रजिस्ट्रार प्रो. आशुतोष मिश्रा, पूजा जेसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, भाजपा जिला महामंत्री निशांत छिक्कर आदि मौजूद रहे।

राई। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल , स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करते व कार्यक्रम में मौजूद मुख्यातिथिगण।

गोहाना। मंडलों की कार्यकारिणी की घोषणा करते जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक।

मंडल कार्यकारिणी की घोषणा

गोहाना। शनिवार को भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली से विचार-विमर्श के बाद कथूरा, बुटाना,भैंसवाल, मुंडलाना खानपुर, जुआं, मोहाना व फरमाना मंडल की कार्यकारिणी की घोषणा की। जिलाध्यक्ष ने गोहाना स्तिथ सिंचाई विश्राम गृह में कार्यकर्ताओं की बैठक में यह घोषणा की। बिजेंद्र मलिक ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की धुरी होते हैं। वे जितनी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ काम करेंगे पार्टी का संगठन उतना ही अधिक मजबूत बनेगा। पार्टी कार्यकर्ता हमेशा ईमानदारी से काम करें। वे लोगों के बीच में जाएं और समस्याएं जानें और अधिकारियों को अवगत करवाकर समाधान करवाएं। इससे लोग सीधे तौर पर पार्टी के साथ जुड़ेंगे और पार्टी का कुनबा बढ़ेगा। डॉ. धर्मवीर नांदल, ओमप्रकाश शर्मा, बलराम कौशिक, रमेश कश्यप, महेंद्र चिड़ाना डॉ. राममेहर राठी, सुमित कक्कड़, प्रदीप बड़वासनी, राजू पटवा, विपिन गोयल, शेरसिंह व रोशन सहित अन्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

गन्नौर। अंबेडकर जयंती पखवाड़े पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि आजाद सिंह नेहरा सहित अन्य।

बेगा में अंबेडकर जयंती पखवाड़ा मनाया

गन्नौर। बेगा गांव में शनिवार को बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती पखवाड़े के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं सोनीपत लोकसभा के मन की बात कार्यक्रम के संयोजक आजाद सिंह नेहरा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने सर्वसमाज को ध्यान में रखते हुए ऐसा संविधान तैयार किया, जिसने देश को मजबूती दी और सबको समान अधिकार दिलाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच सुरेंद्र शर्मा ने की।

गन्नौर। प्रतियोगिता की विजेता टीम के साथ प्राचार्य अनीता यादव व स्टाफ।

अंतर सदनीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

गन्नौर। अपोलो इंटरनेशनल स्कूल बड़ी में शनिवार को अंतर सदनीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जूनियर टीमों के बीच हुए इस मुकाबले में छात्रों ने खेल का उमदा प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य अनिता यादव ने खेल की शुरूआत करवाई। मुकाबले में चैलेंजर सदन जीत हासिल करने में सफल रही। प्रधानाचार्या अनीता यादव ने विजेता टीम को उपहार भेंट किए और कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। हमें नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण का भी ध्यान रखना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बहालगढ़ रोड पर अज्ञात कारणों से हादसा

ग्रीन बेल्ट में 400 से ज्यादा पेड़-पौधे राख दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

लोगों की एक लापरवाही से हरियाली पर बुरा असर देखने को मिल रहा है। शनिवार को शहर के बहालगढ़ रोड पर ग्रीन बेल्ट में अज्ञात कारणों के चलते सूखे पत्तों में आग लग गई। राहगीर ने मामले को लेकर दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक चार सौ से ज्यादा हरे पेड़-पौधे आग की चपेट में आ चुके थे। पर्यावरण को हरा भरा बनाने के अभियान में जुटे पर्यावरण मित्रों ने लोगों से गर्मी के मौसम में इस तरह की घटनाएं न घटे उसके लिए मदद की अपील की है। बता दें कि सोनीपत से बहालगढ़ रोड पर ग्रीन बेल्ट तैयार की गई है। उक्त ग्रीन बेल्ट में हजारों की संख्या में पेड़-पौधे है। शनिवार को अज्ञात कारणों के चलते ग्रीन बेल्ट में आग लग गई। शुरुआत में लोगों ने हल्का धुआं उठता देखा, लेकिन बाद में आग तेजी से ग्रीन बेल्ट में फेल गई। जिसके कारण सैकड़ों पेड़-पौधे आग की चपेट में आ गए। इससे पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ा।

सोनीपत। ग्रीन बेल्ट में लगी आग व झुलसे पेड़-पौधे। फोटो : हरिभूमि

पेड़-पौधों के नीचे सूखे पत्ते व लकड़ियां गर्मी के चलते जल्दी बढ़ी आग

बहालगढ़ रोड स्थित ग्रीन बेल्ट में काफी संख्या में पेड़-पौधे हैं। गर्मी की वजह से पेड़ों के पत्ते मौजूदा समय में सूख कर जमीन पर पड़े हुए हैं। वहीं शनिवार को हवाओं की गति भी तेज रही। जिसके कारण एक बार आग लगने के बाद आग लगातार आगे बढ़ती रही। विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा समय में तापमान काफी अधिक होने के कारण आग एक छोटी सी चिंगारी से भी भयंकर रूप ले लेती है। विशेषज्ञों ने लोगों का आह्वान किया है कि वे पेड़-पौधे के नीचे या पास कोई ज्वलनशील पदार्थ न डाले। बीड़ी-सिगरेट पीने के बाद उसे अच्छी तरह से बुझाकर ही जमीन पर डाले। ताकि हरियाली को किसी प्रकार का नुकसान न होने पाएं।

गर्मी के कारण लग जाती है आग

जिले व प्रदेश को हरा भरा बनाने के लिए गांव-गांव पौधारोपण व पर्यावरण बाग लगा रहे हरियाणा के ट्री-मैन देवेंद्र सूरा व उनकी टीम के सदस्य संजू, विनोद, प्रशांत, मोहित, सुशील, नरेंद्र ने बताया कि मौजूदा समय में पतझड़ का मौसम चल रहा है। पेड़ों से सूखी पत्तियां नीचे गिर चुकी है। पेड़ों पर फिर से हरी पत्तियां आनी शुरू हो चुकी है। वहीं लोग पेड़ों की पत्तियों की तरफ लोग सिगरेट, बीड़ी को फेंक देते है। गर्मी का मौसम होने व पत्तियां सूखी होने के चलते आग लग जाती है। देखते ही आग विकराल रूप ले लेती है। उसी आग पर कीड़े, मकोड़ों व कई प्रकार के जीव जंतु भी चपेट में आ जाते है। ऐसे में लोगों से अपील है कि गर्मी के मौसम में ध्यान जरूर रखें। ताकि हरियाली को बचाया जा सके।

ट्री-मैन देवेंद्र सूरा

राई। भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल व मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी : मास्टर सत्यनारायण

- भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल के कार्यालय में होगा कार्यक्रम

राई। जी टी रोड बहालगढ़ स्थित भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल के कार्यालय में नाहरी मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मास्टर सतनारायण आंतिल ने 26 अप्रैल रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को लेकर चर्चा की और हलके के लोगों से मन की बात कार्यक्रम को ध्यान से सुनने व अपने बच्चों को सुनाने की अपील की।

मार्केट न्यूज

सिपेट CAT – 2025 से एडमिशन पाने का सुनहरा अवसर, आवेदन शुरू, 08 जून 2025 को होगी परीक्षा

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), मुरथल ने डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक छात्र 29 मई 2025 तक आवेदन कर सकते हैं (सिपेट एडमिशन टेस्ट (CAT)- 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। इच्छुक अभ्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट www.cipet.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। संस्थान ने स्पष्ट किया है कि किसी अन्य वेबसाइट से आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। सिपेट प्रवेश परीक्षा 08 जून 2025 को होगी। सिपेट मुरथल में डिप्लोमा स्तर की कक्षाएं 14 जुलाई 2025 से शुरू होंगी। सिपेट देशभर में प्लास्टिक्स/ पेट्रोकेमिकल्स तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र का प्रमुख संस्थान है। सिपेट मुरथल केंद्र में विभिन्न डिप्लोमा और पोस्ट डिप्लोमा प्रोग्राम संचालित होते हैं। सीमित सीटों की वजह से हर साल इसमें प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा रहती है। अच्छी बात यह है कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है और छात्र सरकारी छात्रवृति के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

- स्वर्णप्रस्थ स्कूल में रोचक गतिविधियों से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में शनिवार को सीबीएसई की क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता तनु हांडा एवं राजिंदर कौर रहीं।

कार्यक्रम शुरूआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यशाला में प्रभावशाली शिक्षण और प्रभावी शिक्षण रणनीतियों के माध्यम से कक्षा अभ्यास कार्य को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण के दौरान विविध रोचक गतिविधियों के माध्यम से अपनी बात रखी। साथ ही प्रमुख वक्ताओं ने इस विचार पर जोर देते हुए कि एक सशक्त शिक्षक ही छात्रों को सशक्त बनाता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रोहित पंडा सहित विद्यालय के सभी अध्यापक-अध्यापिका उपस्थित रहे।

राई। कार्यशाला में उपस्थित मुख्य वक्ता एवं शिक्षक समूह। फोटो : हरिभूमि

नए शैक्षणिक सत्र में ओपीएस में विद्यार्थी परिषद गठित

- परिषद में अरमान मोर हैड ब्वाय और सोनम हैड गर्ल बनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

गोहाना-जींद मार्ग स्थित ओम पब्लिक स्कूल (ओपीएस) में शनिवार को नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया। स्कूल की निदेशक निर्मल लाठर ने परिषद के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य डॉ. मनजीत खासा ने की। संयोजन उप प्राचार्य रेखा बजाज का रहा। विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ वर्ग में अरमान मोर को हैड ब्वाय व सोनम को हैड गर्ल, अमन को वाइस हैड ब्वाय व अनुष्का को वाइस हैड गर्ल, विशेष व रिद्धि को डिसिप्लिन कैप्टन, मोहित कुंडू व मिशा अहलावत को वाइस डिसिप्लिन कैप्टन, निर्भय व पूर्वा को स्पोर्ट्स कैप्टन, नितिन व प्रिंसी सांगवान को स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन चुना गया। आर्यन खत्री व अवनी को सत्यम सदन कैप्टन, अरमान व अनन्या को शिवम सदन कैप्टन, अरविंद व दृष्टि को सुंदरम सदन कैप्टन की शपथ दिलाई गई। कनिष्ठ वर्ग में वंश को हैड ब्वाय व इन्दू को हैड गर्ल, नक्ष ढींगरा को वाइस हैड ब्वाय व ईरा को वाइस हैड गर्ल, विराट सैनी व आधिरा को डिसिप्लिन कैप्टन, अनिकेत नरवाल व यशमिन को वाइस डिसिप्लिन कैप्टन, अंकुश व नव्या को स्पोर्ट्स कैप्टन, अंश ढोचक व अंतिका शर्मा को स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन की शपथ दिलाई गई। यागिन व प्रांजल को सत्यम सदन कैप्टन, दिव्यांश यादव व एंजल को शिवम सदन कैप्टन, रायन व हनी को सुन्दरम सदन कैप्टन की शपथ दिलाई गई।

गोहाना। पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करते हुए विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी।

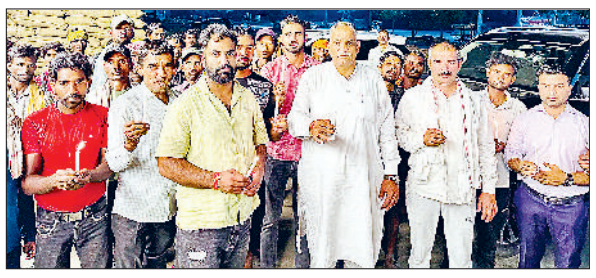

अनाज मंडी में पहलगाम के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

- सोनीपत मार्किट कमेटी के पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल के नेतृत्व में शहीदों को श्रद्धांजलि दी

राई। कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों की याद में भाजपा नेता राई व पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल के नेतृत्व में एक श्रद्धांजलि सभा व मोमबत्ती मार्च का आयोजन किया गया। सोनीपत अनाज मंडी में आयोजित सभा में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। शाम के समय मोमबत्तियों की टिमटिमाती रोशनी में शोकमय माहौल के बीच लोगों ने मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान कुलदीप नांगल ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और आतंकवाद की कड़ी निंदा की। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने कहा कि देश विरोधी सोच रखने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। इस मौके पर अशोक,अमर, कर्ण,जसमेर, सुरजभान, राजेश, सतीश, सुरेन्द्र, अकुश त्यागी, विशाल, अंकित, अंकित, विशाल, धीरज, लाल सिंह, रामु आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संगठन की मजबूती के लिए काम में ईमानदारी जरूरी

- भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने मंडलों की कार्यकारिणी की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

शनिवार को भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली से विचार-विमर्श के बाद कथूरा, बुटाना,भैंसवाल, मुंडलाना खानपुर, जुआं, मोहाना व फरमाना मंडल की कार्यकारिणी की घोषणा की। जिलाध्यक्ष ने गोहाना स्तिथ सिंचाई विश्राम गृह में कार्यकर्ताओं की बैठक में यह घोषणा की। बिजेंद्र मलिक ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की धुरी होते हैं। वे जितनी ईमानदारी से काम करेंगे पार्टी का संगठन उतना ही अधिक मजबूत बनेगा। इस मौके पर डॉ. धर्मवीर नांदल, ओमप्रकाश शर्मा, बलराम कौशिक, रमेश कश्यप, महेंद्र चिड़ाना डॉ. राममेहर राठी, सुमित कक्कड़, प्रदीप बड़वासनी, राजू पटवा, विपिन गोयल, शेरसिंह बेडवाल व रोशन उपस्थित रहे।

गोहाना। कार्यकर्ताओं के साथ मंडलों की कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक। फोटो : हरिभूमि

चाइल्ड केयर स्कूल में पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की याद में चाइल्ड केयर इंटरनेशन स्कूल गन्नौर में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में सभी छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और स्टाफ सदस्य एकत्रित हुए और हमले में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। छात्रों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताएं और भाषण प्रस्तुत किए। बच्चों ने अपने शब्दों के माध्यम से देशभक्ति, करुणा और एकता का संदेश दिया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम हो गईं।

स्कूल के निदेशक अजय यादव ने कहा पहलगाम में हुआ यह हमला देश की आत्मा को झकझोर देने वाला है। हम सबको भारत की एकता और अखंडता की भावना को याद रखते हुए एकजुट रहने की आवश्यकता है। उप-प्रधानाचार्य अरुण गौतम ने कहा कि छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि देश और समाज के प्रति संवेदनशील भी रहना चाहिए।

गन्नौर। आंतकी हमले में निर्दोष मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए।

विधायक ने विकास कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए

गन्नौर। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय मुरथल में विधायक देवेन्द्र कादियान ने गन्नौर हलके के गांवों की पंचायतों के विकास को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में विधायक देवेन्द्र कादियान का पहुंचने पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुरथल अंकुर, एसडीओ वेदप्रकाश ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। विधायक देवेन्द्र कादियान ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अधिकारी प्राथमिकता से कार्य करे ताकि सरकार की नीतियों का गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। कादियान ने कहा कि किसान सम्मान निधि, शहरी आवास, हर घर नल-हर घर जल, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के बारे में पात्र आवेदक को लाभ पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों से समाज का गरीब तबका काफी लाभान्वित हुआ है। उन्हें आगे और राहत देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। विधायक कादियान ने कहा कि हलके का विकास उनकी प्राथमिकता है। हलके के विकास में अधिकारी गति लाए, कही भी उन्हें कोई दिक्कत आए तो उन्हें अवगत करवाएं।

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान अधिकारियों को बैठक में कामों को लेकर चर्चा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

PARAS CA
INSTITUTE OF COMMERCE PVT. LTD.
PIONEER INSTITUTE FOR CA COACHING SINCE 1995
ADMISSION OPEN for NTT
नर्सरी टीचर ट्रेनिंग
B.Ed. & D.L.Ed.
NEAR CITY MALL, SONIPAT
Call : 9149112716, 7015755714

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हरियाणा नेटबॉल की दोनों वर्ग की टीम के लिए ट्रायल आज : बबीता

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता ने बताया कि 2025-26 के सत्र की ट्रेडिशनल नेटबॉल, फास्ट 5 नेटबॉल, मिक्स नेटबॉल, बीच नेटबॉल के सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग की सभी राष्ट्रीय नेटबॉल चैम्पियनशिप के लिए हरियाणा नेटबॉल की दोनों वर्ग की टीमें चैम्पियनशिप में भाग लेगी। खिलाड़ियों की सुख सुविधा को देखते हुए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन ने अलग-अलग स्थान पर ट्रायल रखने का फैसला लिया गया है। जिसके लिए हरियाणा की दोनों वर्ग में टीमों के लिये ट्रायल 27 अप्रैल को समय 3.00 बजे अग्र लिखित जगह पर होगी।

इनसे करें संपर्क

1.चितकारा इंटरनेशनल स्कूल बैक साईड नेटबॉल ग्राउंड, सेक्टर 28, पंचकूला । सम्पर्क सूत्र-कोच करण सिंह
2.इंद्रा गांधी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल कैथल । सम्पर्क सूत्र-कोच रॉबिन सिंह
3.सनराइज पब्लिक स्कूल स्कूल पडाना, जींद । सम्पर्क सूत्र-कोच परवीन पुनिया
4.श्री बालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल कलिंगा ,भिवानी सम्पर्क सूत्र-कोच सुमित डागर
5.राजीव गांधी स्टेडियम, रोहतक ।सम्पर्क सूत्र-कोच -सुजाता ,कोच-मुकुल, कोच- अमित नैन ।
6.सनराइज पब्लिक स्कूल,सुलखा रेवाड़ी । सम्पर्क सूत्र-कोच-प्रदीप
7.रॉयल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल वजीरपुर सेक्टर-95 गुरुग्राम। सम्पर्क सूत्र-कोच- शिवरतन, कोच साहिल भारद्वाज ।
8.राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तलाकौर, यमुनानगर । सम्पर्क सूत्र-कोच-अनुज
9.सैनिक हाई स्कूल उमरा, हिसार । सम्पर्क सूत्र-कोच-सचिन ।
10. खारिया स्टेडियम नेटबॉल ग्राउंड, खारिया ,सिरसा । सम्पर्क सूत्र-कोच-पवन कुमार ।
खिलाड़ी ट्रायल देकर कैंप का हिस्सा बन सकते हैं। ट्रायल के लिए खिलाड़ी नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया 2025-26 की रजिस्ट्रेशन नंबर स्लिप,जन्म प्रमाण-पत्र व आधार कार्ड साथ लेकर पहुंचे।

SWAMI CHETNA SR. SEC. SCHOOL
Affiliated to H.B.S.E. (Bhiwani) Aff. No. 18621
25 Years ANNIVERSARY
Session 2025-26
ADMISSION OPEN
Nursery to XIIth
Streams for XI & XII
(Arts, Commerce, Medical and Non-Medical)
Mr. Raj Kumar Sharma
President
M. 9813527640
Mrs. Dimple Sharma
Principal
9813527643
TEHA, GANAUR, DISTT. SONIPAT (HARYANA)

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

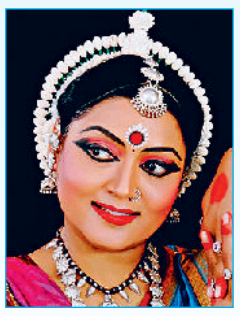

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

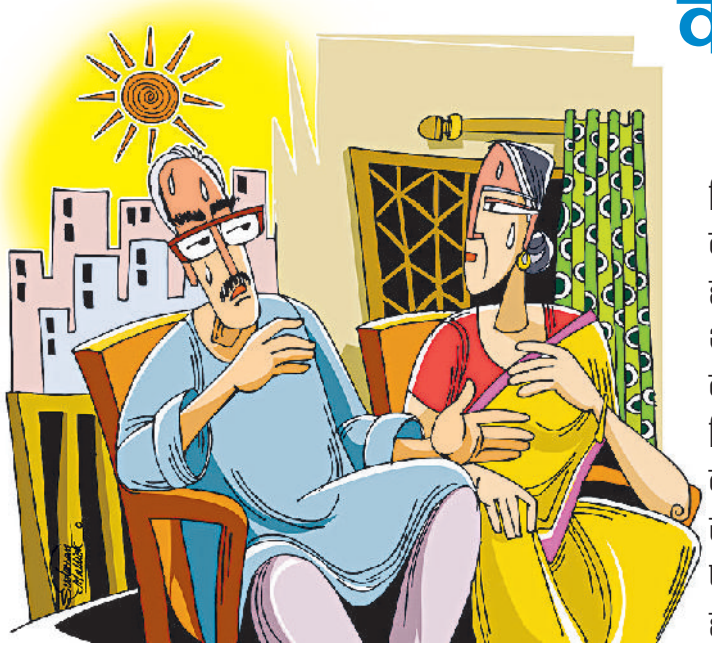

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

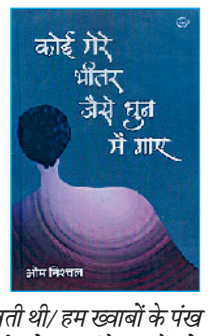

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

खूबसूरत वादियों का शहर ऊटी

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंज्वॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

बोटेनिकल गार्डन

1848 में बनाया गया बोटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मौजूद हैं। यहां करीब 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म भी संजोकर रखा गया है। गार्डन में बनी

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावना और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चीड़ के पेड़, हरे-भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-कॉफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग, घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुत्फ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और ट्रवॉय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के आर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *

रोचक / चंद्रप्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया

डायनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैंकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्तः डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीठ पर बाघ जैसी धारियों वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरतः अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चौंकाने वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है।

पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़ियाः विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है।

लेखक की कल्पना हुई साकारः डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात यह हे कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरेस्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमेजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवित देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन

उपयोगी पेड़ / वीना गौतम

पिछले कुछ वर्षों से स्वादिष्ट फल चीकू की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद स्वादिष्ट फल चीकू की खेती

चीकू, सैपोटेसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिश या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात के अलावा, कर्नाटक के बेलगाम और धारवाड़ क्षेत्र में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है।

व्यावसायिक महत्वः एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठें-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है।

उपयुक्त दशाएंः चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी दोमट और बलुई-दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है।

ऐसे करें चीकू की खेतीः चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा क र ना चाहिए। गड्ढे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है

बाबिल खान

खास मुलाकात / पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं।

सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट'?

'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है।

आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेप्ट किया?

फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

वायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलानी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते है तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इंफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे।

पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं?

मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं दि ला या । उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खेलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है।

कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है।

अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।

एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान को कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत गहरा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेंट में खाना खाने गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मां ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।